पाठ 2. नादान दोस्त

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को पशु-पक्षी संबंधी कुछ विशेष बातों से अवगत कराना है। साथ ही, इस पाठ द्वारा बच्चों का पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम, लगाव तथा जिज्ञासा भी प्रकट हो रही है।

पाठ का सारांश

केशव तथा श्यामा के घर में कार्निस पर एक चिड़िया ने अंडे दिए। दोनों भाई-बहन चिड़िया के अंडों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। उनके मन में तरह-तरह के प्रश्न उठते थे। वे दोनों अंडे देखने के लिए उतावले हुए जा रहे थे। एक दिन मौका मिलते ही दोनों अंडों तक पहुँच जाते हैं तथा चिड़िया के बच्चों के लिए दाना-पानी तथा धूप से बचने का इंतज़ाम कर देते हैं। श्यामा अंडे देखने के सुख से वंचित रह जाती है। उन दोनों को माँ से डाँट भी पड़ती है मगर उन्हें कुछ अच्छा करने की खुशी भी थी। नींद से जगने पर श्यामा बाहर आकर देखती है कि अंडे टूटे पड़े हैं। इसपर केशव तथा श्यामा की माँ उन्हें समझाती हैं कि छूने से चिड़िया के अंडे गंदे हो जाते हैं। वह फिर उन्हें नहीं सेती। केशव को कई दिनों तक अपनी करनी पर पछतावा होता रहा। कभी-कभी किसी के लिए अनजाने में किया गया उपकार भी नुकसानदायक हो सकता है।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। उन्हें पाठ का मूल भाव बताने को कहें। बच्चों को प्रेमचंद जी के बारे में जानकारी दें कि उन्हें हिंदी साहित्य में 'कथा सम्राट' के रूप में जाना जाता है। प्रेमचंद के साहित्य में बच्चों, बड़े-बूढ़ों, पशु-पक्षियों आदि के प्रति मानवीय संवेदनाओं का भाव समाया हुआ है। बच्चों को बताएँ कि पशु-पक्षियों में भी संवेदनाएँ होती हैं तथा उनकी भी अपनी भिन्न-भिन्न प्रवृत्ति होती है। हमें पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- कुछ पशु-पक्षियों की आदतों या स्वभाव के बारे में चर्चा करें। जैसे–कोयल कभी अपना घोंसला नहीं बनाती। वह सदैव अपने अंडे कौए या किसी अन्य पक्षी के घोंसले में देती है और मादा कौआ उन्हें अपने अंडे समझकर सेती है पर जब कोयल के अंडों में से बच्चे निकलते हैं तब वे बच्चे उन बाकी अंडों को नीचे गिरा देते हैं।
- बच्चों को बताएँ कि यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है कि पक्षी घोंसला केवल अंडे देने के लिए ही बनाते हैं।
- पशु-पक्षियों को देखकर तुम्हारे मन में भी कुछ जिज्ञासाएँ उत्पन्न होती होंगी? अपनी जिज्ञासाएँ सभी के साथ बाँटो।
- मान लो, केशव अंडों की सुरक्षा का प्रबंध करते समय यदि अंडों को न छूता, तब क्या होता! क्या तब भी चिड़िया अंडों को गिरा देती? सोचकर बताइए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।